

ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

17-10-2024

पुरानी बातें, पुराने संस्कार ऐसे अनुभव हों जैसे कि नामालूम कब की पुरानी बात है। ऐसे नाम निशान खत्म हो जाये। इसके लिए 1-अपनी बुद्धि से उपराम 2-संस्कारों से भी उपराम। “मेरे संस्कार हैं” इस मेरे-पन से भी उपराम। मैं यह समझती हूँ, इस मैं पन से भी उपराम। जहाँ मैं शब्द आता है वहाँ बापदादा याद आये। जहाँ मेरी समझ आती है वहाँ श्रीमत् याद आये।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

Old matters, old sanskars should be experienced to be something of the past. Let all name and trace of them finish. For this, 1) be beyond with your intellect. 2) be beyond with your sanskars. Go beyond even the consciousness of “this is my sanskar”. Go even beyond the thought, “I think...” Where you use the word “I”, remember BapDada. When you think “This is my understanding”, remember shrimat.